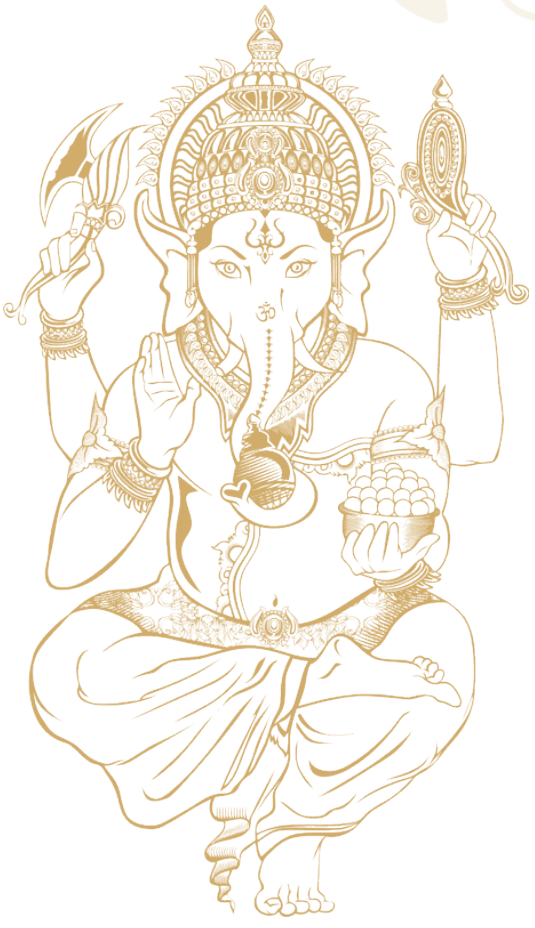

Mukund sharma

10 Feb 2009

10:16 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121448303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/02/2009**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:16:00 घंटे**
इष्ट	07:52:29 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:49:20 घंटे
वेलान्तर	-00:14:15 घंटे
साम्पातिक काल	19:10:55 घंटे
सूर्योदय	07:07:00 घंटे
सूर्यास्त	18:15:07 घंटे
दिनमान	11:08:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	27:35:34 मकर
लग्न के अंश	00:23:22 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	00:23:22	480:19:52	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	---
सूर्य			मक	27:35:34	01:00:42	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	05:29:07	14:31:01	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	10:17:58	00:46:33	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	उच्च राशि
बुध			मक	01:50:30	00:48:59	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु			मक	14:22:49	00:14:01	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शुक्र			मीन	11:28:42	00:43:01	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	उच्च राशि
शनि	व		सिंह	26:22:38	00:03:52	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		मक	15:18:20	00:00:54	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	15:18:20	00:00:54	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	26:54:35	00:03:06	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
नेप			मक	29:51:36	00:02:17	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
प्लूटो			धनु	08:34:10	00:01:35	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			धनु	22:21:51	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:18

लग्न-चलित

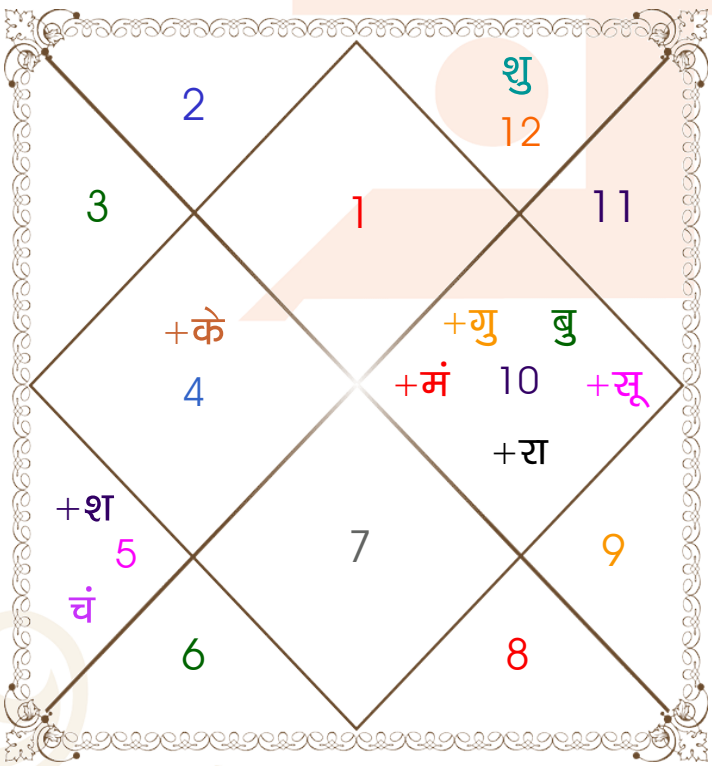

चन्द्र कुंडली

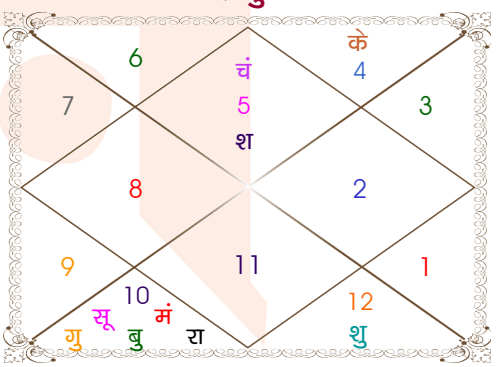

नवमांश कुंडली

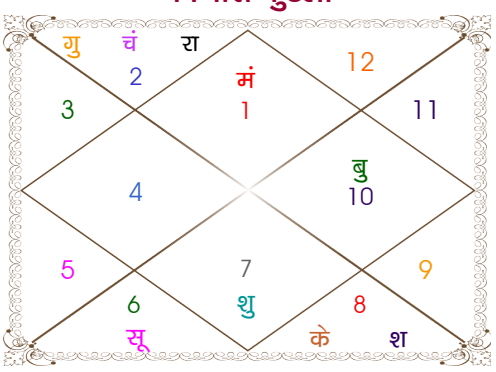

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 1 मास 13 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/02/2009		26/03/2013		26/03/2033		26/03/2039		26/03/2049	
26/03/2013		26/03/2033		26/03/2039		26/03/2049		26/03/2056	
	00/00/0000	शुक्र	25/07/2016	सूर्य	13/07/2033	चंद्र	25/01/2040	मंगल	22/08/2049
	00/00/0000	सूर्य	26/07/2017	चंद्र	12/01/2034	मंगल	25/08/2040	राहु	09/09/2050
	00/00/0000	चंद्र	26/03/2019	मंगल	20/05/2034	राहु	24/02/2042	गुरु	16/08/2051
	10/02/2009	मंगल	25/05/2020	राहु	14/04/2035	गुरु	26/06/2043	शनि	24/09/2052
मंगल	23/02/2009	राहु	26/05/2023	गुरु	31/01/2036	शनि	24/01/2045	बुध	21/09/2053
राहु	14/03/2010	गुरु	24/01/2026	शनि	12/01/2037	बुध	25/06/2046	केतु	18/02/2054
गुरु	18/02/2011	शनि	26/03/2029	बुध	18/11/2037	केतु	24/01/2047	शुक्र	20/04/2055
शनि	29/03/2012	बुध	25/01/2032	केतु	26/03/2038	शुक्र	24/09/2048	सूर्य	26/08/2055
बुध	26/03/2013	केतु	26/03/2033	शुक्र	26/03/2039	सूर्य	26/03/2049	चंद्र	26/03/2056

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/03/2056		26/03/2074		26/03/2090		27/03/2109		27/03/2126	
26/03/2074		26/03/2090		27/03/2109		27/03/2126		00/00/0000	
राहु	07/12/2058	गुरु	13/05/2076	शनि	29/03/2093	बुध	23/08/2111	केतु	23/08/2126
गुरु	01/05/2061	शनि	25/11/2078	बुध	07/12/2095	केतु	20/08/2112	शुक्र	23/10/2127
शनि	07/03/2064	बुध	01/03/2081	केतु	15/01/2097	शुक्र	21/06/2115	सूर्य	28/02/2128
बुध	25/09/2066	केतु	05/02/2082	शुक्र	17/03/2100	सूर्य	26/04/2116	चंद्र	28/09/2128
केतु	13/10/2067	शुक्र	06/10/2084	सूर्य	27/02/2101	चंद्र	25/09/2117	मंगल	11/02/2129
शुक्र	13/10/2070	सूर्य	26/07/2085	चंद्र	29/09/2102	मंगल	23/09/2118		00/00/0000
सूर्य	07/09/2071	चंद्र	25/11/2086	मंगल	08/11/2103	राहु	11/04/2121		00/00/0000
चंद्र	08/03/2073	मंगल	31/10/2087	राहु	14/09/2106	गुरु	18/07/2123		00/00/0000
मंगल	26/03/2074	राहु	26/03/2090	गुरु	27/03/2109	शनि	27/03/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 1 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाले, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाले, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाले अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाले हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाले, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाले, महत्वकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाले तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाले प्राणी है। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाले शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाले हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाले हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहते हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप एक सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाले व्यक्ति है। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाते हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाले हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि के प्रगति शील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहते है। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेते हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नही सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझते हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझते हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेते हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करते हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकिता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करते हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करते हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करते हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नही करते तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहते हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहते हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करते हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करते हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहते। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाले कामुक प्राणी हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहते हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगे।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना के शिकार होंगे। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नही रहें तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्र आदि रोगों से पीड़ित रहेंगे। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुके हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नही कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखते हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करते हैं।

आपके लिए विधि, कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, लौह एवं स्टील कार्य, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकते हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।